निदेशक द्वारा संदेश

आप सभी को, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार से संचालित उच्च कोटि प्रशिक्षण संस्था राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर की अधिकारिक वेबसाइट के लिए आंमत्रित करते हुये मुझे बड़ा ही हर्ष व सुखद आनन्द का अनुभव हो रहा है, जहॉ आप संस्थान की समग्र गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा आयुर्वेद के विकास और वृद्धि को बढ़ावा देने, अध्यापन में उच्च मानक स्थापित करने, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोगियों की देखभाल को चिकित्सा तथा आयुर्वेद प्रणाली के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर को एक उच्च आदर्श शिक्षण संस्थान के रूप में 7 फरवरी 1976 को स्थापित किया गया था। यह राष्ट्रीय भूमिका निभाने वाला एवं अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति वाला भारत का प्रथम संस्थान है, जिसके निम्न लक्ष्य और उद्देश्य हैः आयुर्वेद के विकास एवं वृद्धि को बढ़ावा देना, आयुर्वेद की सभी शाखाओं में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्येता/अध्येत्री प्रदान करना, आयुर्वेद के विभिन्न पहुलओं पर अनुसंधान करवाना, रूग्ण मानवता को आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली से चिकित्सा सुविधा प्रदान करना, आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली में अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण, परामर्श, मार्गदर्शन हेतु सर्वोच्च वरीयता में सुविधा प्रदान करना और आयुर्वेद की सभी शाखाओं में स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षण में उच्च स्तर का विकास करना।

वर्तमान में संस्थान स्नातक स्तर पर BAMS, स्नातकोत्तर स्तर पर MD/MS(Ay.), Ph.D. स्तर पर नियमित फैलोशिप कार्यक्रम, आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी डिप्लोमा पाठ्यक्रम, पंचकर्म एटैण्डेंट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और चिकित्सा पेशेवरों एवं विदेशाी चिकित्सकों हेतु अल्प कालिक पाठ्यक्रम भी प्रदान कर रहा है। इसमें डीलक्स और कॉटेज वार्डों सहित 357 बिस्तर वाला एक अस्पताल है। जहाँ लगभग एक दर्जन से अधिक विभिन्न रोगों के लिए विशेष चिकित्सा क्लिनिक, एक सैटेलाइट अस्पताल, पृथक पंचकर्म विभाग है। इन तमाम चीजों की विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट पर संबंधित लिंक पर देखें।

इसके साथ ही हम एक 8 हेक्टर की जमीन को एक अद्वितीय और आदर्श जड़ी–बूटी संबंधित उद्यान के रूप में विकसित कर रहे है। कच्ची औषधियों हेतु एक राष्ट्रीय भण्डार बनाने की प्रक्रिया भी प्रगति पर है। विदेशी चिकित्सकों एवं पेशेवर चिकित्सकों के लिए विभिन्न प्रकार के अल्प कालीन एवं दीर्घ कालीन पाठ्यक्रम, श्रीलंकाई आयुर्वेद के स्नातकोत्तर अध्येताओं के लिए प्रशिक्षण, CCIM के दिशा निर्देशानुसार ओर अधिक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम लागू करवाना, शेष विषयों में नियमित फैलोशिप कार्यक्रम जैसे Ph.D.(Ay.) शुरू करना, विभिन्न विषयों पर स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ करना, पंचकर्म तकनीशियनों के लिए अल्पकालीन पाठ्यक्रम, देश के विभिन्न हिस्सों में हो रही उच्च रोगीय चिकित्सा को लागू करना, हमारे अस्पतालों को NABH तथा भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा अधिकारिक मान्यता देना आदि आने वाले कुछ वर्षों में हमारी प्राथमिकता के क्षेत्र है।

संस्थान, देश में आयुर्वेद के समग्र विकास के लिए ही नहीं अपितु इसके वैश्वीकरण हेतु आयुष मंत्रालय की विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान एवं रोगी देखभाल की गतिविधियों में बड़े ही बारीकी और सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। मुझे यह सूचित करते हुये खुशी हो रही है कि आयुष मंत्रालय, भारत सरकार संस्थान के सभी क्षेत्रों में संवर्धन और प्रगति के लिए अपनी पूरी वित्तिय और अन्य सहायता प्रदान कर रहा है। हम संस्थान के विभिन्न लक्ष्यों तथा आयुष मंत्रालय द्वारा मानव जाति के कल्याण, प्रचार और आयुर्वेद के वैश्वीकरण आदि को प्राप्त करने में कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ेगें। विभिन्न लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु हमारें पास एक बहुत ही समर्पित और उच्च शिक्षित संकाय सदस्यों की टीम है जो कि विभिन्न श्रेणियों में अच्छे सहयोगी स्टाफ के साथ मौजूद हैं।

इन विनम्र शब्दों के साथ, मैं एक बार फिर हमारी वेबसाइट पर आपका स्वागत करता हूँ। मुझे अपनी वेबसाइट में किसी भी अतिरिक्त जोड़ने/परिवर्तन बनाने के लिए किसी भी सुझाव/टिप्पणी प्राप्त होने पर खुशी होगी। बहुत जल्द हम हमारी वेबसाइट के एक नए अद्यतन आधुनिक संस्करण के साथ आ रहे हैं। कृपया इसके लिए इन्तजार कीजिये।

धन्यवाद,

प्रो. संजीव शर्मा,
निदेशक।